TEACHERS OF BIHAR

दैनिक ज्ञानकोश

सीखें-सिखाएं, बिहार को आगे बढ़ायें

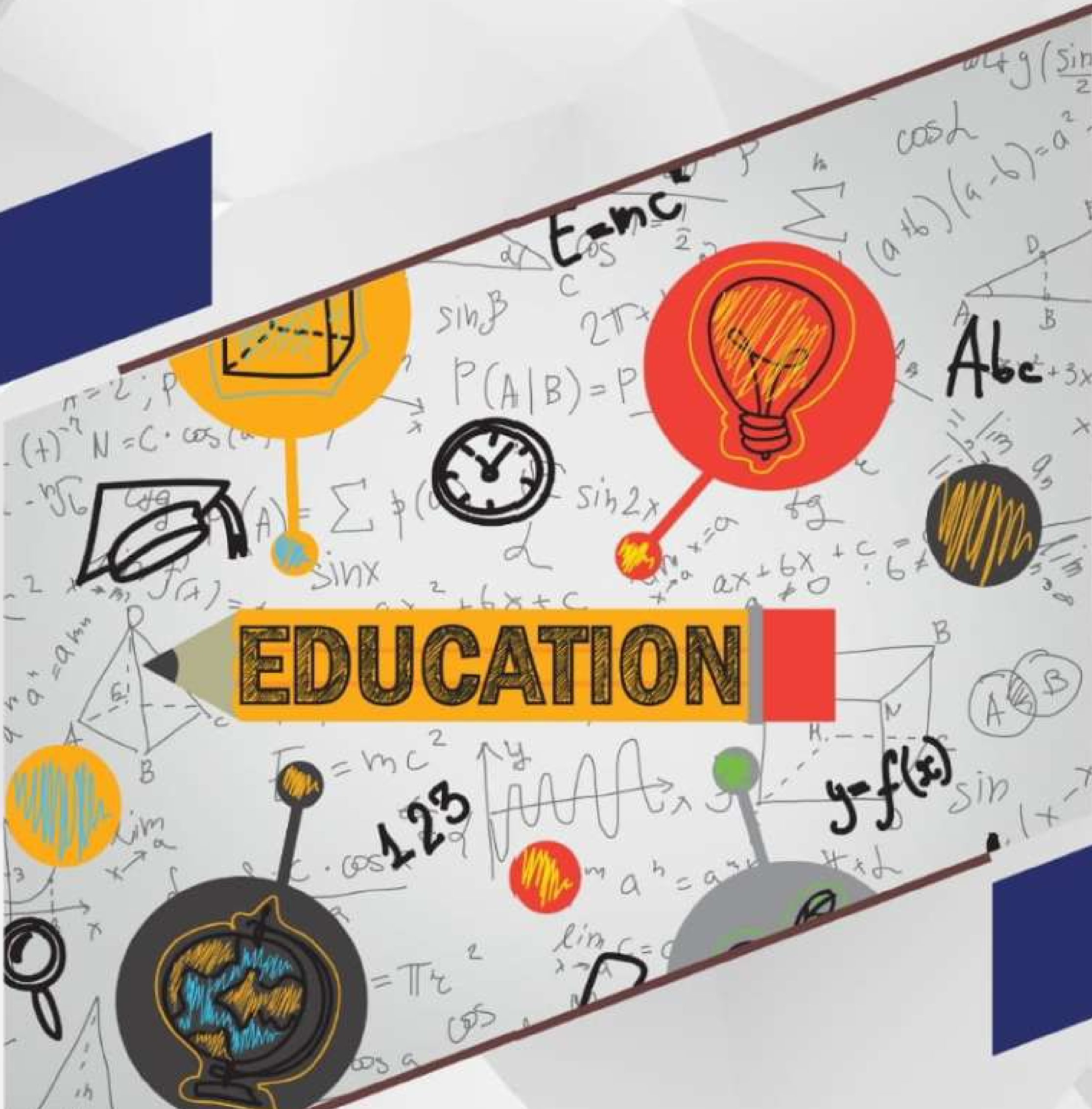

teachersofbihar@gmail.com

https://twitter.com/teachersofbihar

https://www.youtube.com/c/teachersofbihar

6 जनवरी 2025

Teachers of Bihar

The Change Makers

आज का सुविचार

मिटटी के बंधन से मुक्ति पेड़ के लिए आजादी नहीं है।

\- रवीन्द्रनाथ टैगोर

Vishwa Vijay Singh

www.teachersofbihar.org

जन्मदिन विशेष

06 जनवरी 2025

Teachers of Bihar

The Change Makers

आज का सुविचार

मैं नकारात्मक चीजों को नहीं देखता हूं।

कपिल देव

(भारतीय क्रिकेटर)

जन्म: 06 जनवरी 1959

राकेश कुमार

www.teachersofbihar.org

Teachers of Bihar
The Change Makers

दिवस ज्ञान

06 जनवरी

Diwas Gyan

Email us : teachersofbihar@gmail.com

विक्रम संवत् 2081, पौष माह, शुक्ल पक्ष, सप्तमी तिथि, सोमवार 06 जनवरी 2025

संपादक – शशिधर उज्ज्वल मोबाइल न0– 7004859938 email : ujjawal.shashidhar007@gmail.com

आज का विचार

"जब आप अपने भीतर बैठे अहंकार को मिटा देंगे तभी आपको वास्तविक शांति की प्राप्ति होगी।"

–गुरू गोविन्द सिंह

"The greatest comforts and lasting peace are obtained, when one eradicates selfishness from within."

-Guru Govind Singh

आज के दिन

1883– आधुनिक अरबी साहित्य के प्रसिद्ध लेखक, कवि और कलाकार खलील जिब्रान का जन्म

1885– 'आधुनिक हिन्दी साहित्य के पितामह' माने जाने वाले भारतेन्दु हरिश्चन्द्र का निधन

1884– आनुवंशिकी के खोजकर्ता ग्रेगोर जोहान मेण्डल का निधन

1. **विश्व युद्ध अनाथ दिवस–** यह दिवस युद्ध के परिणाम स्वरूप अनाथ हुए बच्चों की सामाजिक, मानसिक और शारीरिक विकास पर पड़ने वाले प्रभाव, भोजन, स्वास्थ्य, वस्त्र, आवास, शिक्षा आदि की दुर्दशा पर जागरूकता फैलाने के उद्देश्य से मनाया जाता है। इस दिवस को मनाने की शुरूआत एक फ्रांसीसी संगठन द्वारा की गई थी जिसका उद्देश्य संघर्ष से प्रभावित बच्चों की मदद करना है।
2. **ए. आर. रहमान का जन्म–** ए. आर. रहमान प्रसिद्ध भारतीय संगीतकार हैं। ए. आर. रहमान गोल्डन ग्लोब पुरस्कार (2009) से सम्मानित होने वाले प्रथम भारतीय हैं। फिल्म स्लमडॉग मिलेनियर में संगीत के लिए दो ऑस्कर पुरस्कार जीतने वाले प्रथम भारतीय हैं। वर्ष 2000 में पद्म श्री और वर्ष 2010 में पद्म विभूषण से भारत सरकार ने सम्मानित किया।
   - विशेष जानकारी हेतु 'दिवस ज्ञान विशेषांक' अथवा 'दिवस प्रेरणा' पढ़ें।
3. **छत्रपति शिवाजी का सूरत पर हमला–** सन् 1661–63 तक मुगल फौज ने शाइस्ता खाँ के नेतृत्व में छत्रपति शिवाजी महाराज के राज्य को बहुत नुकसान पहुँचाया था। 6 जनवरी, 1664 ई. को शिवाजी ने सूरत पर हमला कर मुगल आक्रमण से हुए नुकसान की भरपाई के लिए लूटा। सूरत की लूट ने औरंगजेब को हैरान करके रख दिया। औरंगजेब ने इसके बाद राजपूत राजा जयसिंह को शिवाजी को काबू में करने के लिए भेजा जो अपने उद्देश्य में सफल रहा।
   - **संदर्भ: अतीत से वर्तमान भाग 2, पाठ 9, पृष्ठ 151**
4. **कपिलदेव का जन्म–** भारत के पूर्व क्रिकेट खिलाड़ी कपिलदेव रामलाल निखंज का जन्म 6 जनवरी, 1959 ई. को चण्डीगढ़ में हुआ था। वर्ष 1983 के क्रिकेट विश्वकप में वे भारतीय क्रिकेट टीम के कप्तान थे और उनके नेतृत्व में भारत ने पहली बार क्रिकेट विश्व कप जीतने का गौरव प्राप्त किया था। उन्होंने अपने खेल के कैरियर में 131 अंतर्राष्ट्रीय टेस्ट मैच तथा 225 एकदिवसीय अंतर्राष्ट्रीय मैच खेला। वर्ष 1999 में उन्हें भारतीय क्रिकेट टीम का कोच भी चुना गया। वर्ष 1979–80 के लिए अर्जुन पुरस्कार, 1982 ई. में पद्म श्री, 1991 ई. में पद्म भूषण पुरस्कार से सम्मानित किया गया है। कपिलदेव को उनके प्रदर्शन के लिए 'हरियाणा हरिकेन' का नाम दिया गया। उन्होंने 'स्ट्रेट फ्रॉम द हॉर्ट' नामक पुस्तक भी लिखा है।
   - **बच्चों को क्या बतायें?** बच्चों को कपिलदेव की लिखी पुस्तकें तथा आत्मकथा पढ़ने के लिए प्रेरित करें।
5. **ईसाई त्योहार एपीफेनी–** एपिफेनी एक ईसाई त्योहार है जो 6 जनवरी को यीशु मसीह के पास मागी की यात्रा और यीशु की बपतिस्मा की याद में मनाई जाती है। 'एपीफेनी' यूनानी शब्द है जिसका अर्थ है– प्रकटीकरण। इसे क्रिसमस उत्सव का 12वां और अंतिम दिन माना जाता है। इसे 'थ्री किंग्स डे' भी कहा जाता है।
   - विशेष जानकारी के लिए पढ़ें– 'दिवस ज्ञान विशेषांक 06 जनवरी 2025'

गुरूगोविन्द सिंह जयन्ती– गुरू गोविन्द सिंह जी सिक्खों के दसवें गुरू थे। उनका जन्म विक्रम संवत् 1723 पौष शुक्ल सप्तमी तदनुसार 26 दिसम्बर, 1666 ई. को पटना में हुआ था। इनके पिता का नाम गुरू तेग बहादुर और माता का नाम गुजरी था। इनके बचपन का नाम गोविन्द राय था। खालसा पंथ में दीक्षित होने के बाद इन्होंने अपना नाम गोविन्द सिंह रखा। गुरू गोविन्द सिंह ने अनुभव किया कि उनके अनुयायियों में मतभेद है तथा उनमें मुगलों से युद्ध करने की न तो सामर्थ्य है और न ही साहस। उन्होंने अपने अनुयायियों को युद्ध करने की शिक्षा देना शुरू किया। गुरू के अनुयायी संत से सैनिक बन गये। सिक्खों को एक विशेष प्रकार की पोशाक पहननी पड़ती थी। सिक्ख अपने साथ सदैव पाँच वस्तुएँ– कड़ा, कंघा, कच्छा, केश और कृपाण रखते थे। उन्होंने कई पुस्तकों– जापु, चण्डी चरित्र, ज्ञान प्रबोध, हज़ार दे शबद आदि की रचनाएं भी की।

- **संदर्भ:** बच्चों को **हमारी दुनिया भाग 1, पृष्ठ 92** के संदर्भ में गुरू गोविन्द सिंह जी के जीवनी और उपदेशों के बारे में बच्चों को बतायें।

आज के दिवस ज्ञान की विस्तारपूर्वक जानकारी के लिए पढ़ें 'दिवस ज्ञान विशेषांक 06 जनवरी 2025'

जन्मदिन विशेष 06 जनवरी

राकेश कुमार

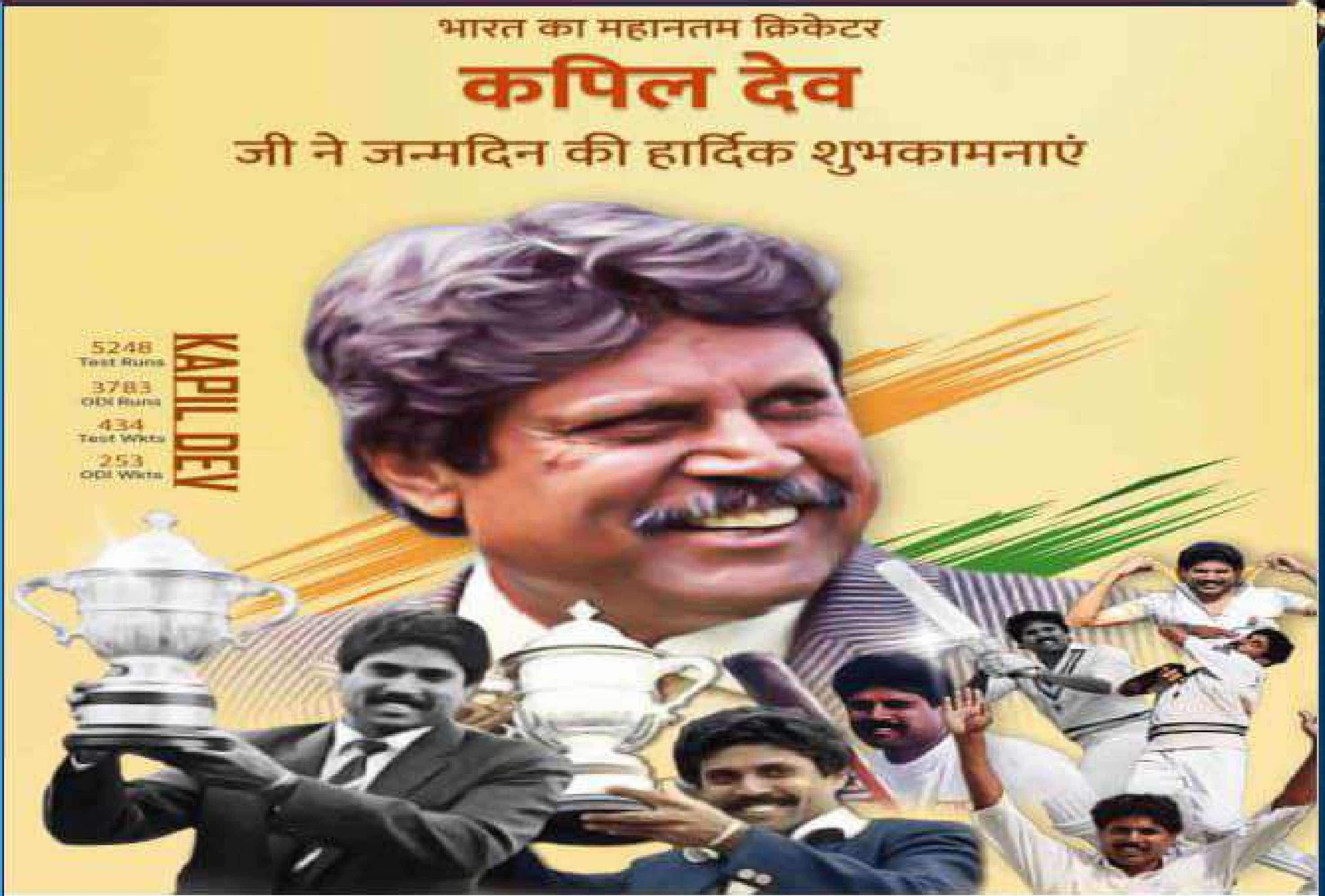

कपिल देव *Kapil Dev*, जन्म- 6 जनवरी, 1959) भारत के प्रथम क्रिकेट विश्व कप विजेता दल के कप्तान एवं सफलतम हरफनमौला खिलाड़ी हैं। कपिल देव का खेल और उनके आँकड़े इस बात के प्रमाण हैं। भारत के इस प्रसिद्ध क्रिकेट खिलाड़ी का जन्म एक लकड़ी व्यापारी के यहाँ हरियाणा में हुआ था। कपिल देव ने सन् 1975 में प्रथम श्रेणी क्रिकेट में प्रवेश किया। वे विस्डेन द्वारा वर्ष 2002 में 'सदी के भारतीय क्रिकेटर' चुने गये। वे 10 माह के लिये भारतीय क्रिकेट टीम के प्रशिक्षक भी रहे।

Teachers of Bihar
The change makers

दिवस विशेष
6 जनवरी

मधु प्रिया

भारतेन्दु हरिश्चन्द्र का निधन 6 जनवरी

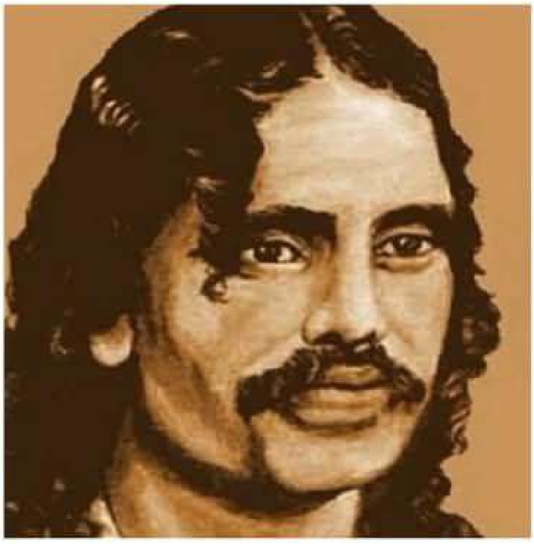

भारतेन्दु हरिश्चन्द्र का जन्म 9 सितम्बर, 1850 ईस्वी को काशी के एक प्रतिष्ठित वैश्य परिवार में हुआ। उनके पिता गोपालचंद्र एक अच्छे कवि थे और 'गिरधरदास'उपनाम से कविता लिखा करते थे। 1857 में प्रथम भारतीय स्वतंत्रता संग्राम के समय उनकी आयु 8 वर्ष की होगी। ये दिन उनकी आँख खुलने के थे। भारतेन्दु का कृतित्व साक्ष्य है कि उनकी आँखें एक बार खुलीं तो बन्द नहीं हुईं। उनके पूर्वज अंग्रेज-भक्त थे, उनकी ही कृपा से धनवान हुये थे। हरिश्चंद्र पाँच वर्ष के थे तो माता की मृत्यु और दस वर्ष के थे तो पिता की मृत्यु हो गयी। इस प्रकार बचपन में ही माता-पिता के सुख से वंचित हो गये। बचपन का सुख नहीं मिला। शिक्षा की व्यवस्था प्रथापालन के लिए होती रही। संवेदनशील व्यक्ति के नाते उनमें स्वतन्त्र रूप से देखने-सोचने-समझने की आदत का विकास होने लगा। पढ़ाई की विषय-वस्तु और पद्धति से उनका मन उखड़ता रहा। क्वींस कॉलेज, बनारस में प्रवेश लिया, तीन-चार वर्षों तक कॉलेज आते-जाते रहे पर यहाँ से मन बार-बार भागता रहा। स्मरण शक्ति तीव्र थी, ग्रहण क्षमता अद्भुत। इसलिए परीक्षाओं में उत्तीर्ण होते रहे। बनारस में उन दिनों अंग्रेजी पढ़े-लिखे और प्रसिद्ध लेखक - राजा शिवप्रसाद 'सितारेहिन्द' थे, भारतेन्दु शिष्य भाव से उनके यहाँ जाते। उन्हीं से अंग्रेजी सीखी। भारतेन्दु ने स्वाध्याय से संस्कृत, मराठी, बंगला, गुजराती, पंजाबी, उर्दू भाषाएँ सीख लीं। उनको काव्य-प्रतिभा अपने पिता से विरासत के रूप में मिली थी। उन्होंने पांच वर्ष की अवस्था में ही निम्नलिखित दोहा बनाकर अपने पिता को सुनाया और सुकवि होने का आशीर्वाद प्राप्त किया। हिंदी की विपुल मात्रा और अनेक विधाओं में सृजन करने वाले भारतेंदु हरिश्चंद्र की मृत्यु महज 35 वर्ष की उम्र में छह जनवरी 1885 को हुई थी। उनके निधन पर कहा गया था कि प्यारे हरीचंद की कहानी रह जाएगी...। वर्तमान में यह बात एकदम सत्य साबित हुई। भारतेंदु जी नहीं रहे, लेकिन उनकी कहानी आज भी हर किसी की जुबान पर है।

Teachers of Bihar

The Change Makers

राकेश कुमार

शिक्षा शब्दकोश

आज का शब्द 03.01.2025

प्राधिकरण शिक्षण विधि

प्राधिकरण शिक्षण विधि, शिक्षण की एक ऐसी विधि है जिसमें शिक्षक अपने छात्रों पर अपने ज्ञान और स्थिति के कारण शक्ति और अधिकार की स्थिति में होते हैं. इस विधि में, कक्षा प्रबंधन पारंपरिक होता है और नियमों और अपेक्षाओं पर ध्यान केंद्रित किया जाता है।

रोचक तथ्य/सामान्य ज्ञान

Rakesh kumar

फिनलैंड लगातार सातवें साल दुनिया का सबसे खुशहाल देश बना है। वहीं भारत 143 देशों में 126वें नंबर पर है।

TOB खेल कॉर्नर

राकेश कुमार

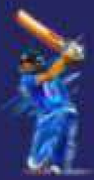

नेशनल स्पोर्ट्स अवॉर्ड-2024

द्रोणाचार्य (5 कोचों को)	
1. सुभाष राणा	(पैरा-शूटिंग)
2. दीप्ति देशपांडे	(शूटिंग)
3. संदीप सांगवान	(हॉकी)
4. एस मुरलीधरन	(बैडमिंटन)
5. अरमांडो कोलाको	(फुटबॉल)

नेशनल स्पोर्ट्स प्रमोशन अवॉर्ड

फिजिकल एजुकेशन फेडरेशन ऑफ इंडिया

मौलाना अब्दुल कलाम आजाद ट्रॉफी-2024	
चंडीगढ़ यूनिवर्सिटी	ओवरऑल विनर
लवली प्रोफेशनल यूनिवर्सिटी	1st रनरअप यूनिवर्सिटी
गुरुनानक देव यूनिवर्सिटी	2nd रनरअप यूनिवर्सिटी

दिवस प्रेरणा 6

ए. आर. रहमान

(भारतीय संगीतकार)

पिता के वाद्ययंत्रों को बेचना पड़ गया ...

संघर्ष

उनका नाम 'अरूणाचलम शेखर दिलीप कुमार मुदलियार' था। रहमान जब नौ साल के थे तब उनके पिता की मृत्यु हो गयी थी और परिस्थितियां इतनी बिगड़ गयी थी कि पैसों के लिए घरवालों ने रहमान के पिता के वाद्ययंत्रों को भी बेच दिया। इसी बीच उनके परिवार ने इस्लाम धर्म अपना लिया। धर्मपरिवर्तन के पश्चात् उनका नाम अल्लाह रक्खा रहमान (ए. आर. रहमान) हुआ। 11 वर्ष की आयु में बैंड ग्रुप (आर्केस्ट्रा) में काम किया।

सफलता

वे भारत के मशहूर संगीतकार हैं और कई सुपरहिट फिल्मों में अपनी संगीत को कंपोज किया है। ए. आर. रहमान कर्नाटकी, पाश्चात्य शास्त्रीय संगीत, हिन्दुस्तानी संगीत में महारथ हासिल है। ए. आर. रहमान गोल्डन ग्लोब पुरस्कार (2009) से सम्मानित होने वाले प्रथम भारतीय हैं। फिल्म स्लमडॉग मिलेनियर में संगीत के लिए दो ऑस्कर पुरस्कार जीतने वाले प्रथम भारतीय हैं। इसी फिल्म के गीत 'जय हो' के लिए सर्वश्रेष्ठ साउंडट्रेक कंपाइलेशन और सर्वश्रेष्ठ फिल्मी गीत की श्रेणी में दो ग्रेमी पुरस्कार भी जीते। वर्ष 2000 में पद्म श्री और वर्ष 2010 में पद्म विभूषण से भारत सरकार ने सम्मानित किया।

संकलन : शशिधर उज्ज्वल. ई मेल- ujjawal.shashidhar007@gmail.com
प्रस्तुति: टीचर्स ऑफ बिहार. contact us : www.teachersofbihar.org \ info@teachersofbihar.org

Happy
Birthday
6 जनवरी 1959
TEACHERS OF BIHAR
THE CHANGE MAKERS
www.teachersofbihar.org
Madhu priya

TEACHERS OF BIHAR
THE CHANGE MAKERS
Happy
Birthday
6 जनवरी 1967
www.teachersofbihar.org
Madhu priya

6 जनवरी

सिखों के दसवें गुरु

गुरु गोविंद सिंह

की जयंती पर उन्हें सादर नमन

www.teachersofbihar.org

Punita Kumari

TEACHERS OF BIHAR
THE CHANGE MAKERS
कमलेश्वर प्रशाद सक्सेना
जन्म- 6 जनवरी 1932
मृत्यु- 27 जनवरी 2007
/teachersofbihar
Madhu priya

भारतेन्दु हरिश्चन्द्र
9 सितंबर 1850 - 6 जनवरी 1885
Madhu priya
/teachersofbihar